हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 19 जुलाई 2025

11 हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन ने सीएम के नाम डीईओ को...

12 तत्कालीन एसडीएम दिनेश कुमार के कार्यकाल...

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य मंत्री आज खेड़ी व नावदी में सुनेंगी शिकायतें

नारनौल। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 19 जुलाई को खंड अटेली के गांव खेड़ी व नावदी में बैठक कर आमजन की शिकायतें सुनेंगी। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि 19 जुलाई को सुबह नौ बजे गांव खेड़ी व 9.30 बजे नावदी में बैठक कर आमजन की शिकायतें सुनेंगी। इसके बाद सुबह 10 बजे अटेली कार्यालय में आमजन की शिकायत सुन उनका समाधान करेंगी।

हनुमान मंदिर में 29 को हवन व प्रसाद होगा

मंडी अटेली। 132 केवी सब स्टेशन अटेली पावर हाउस परिसर स्थित हनुमान मंदिर में 29 जुलाई को हवन व प्रसाद वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए एचकेआरएन के सर्किल सैक्रेट्री फूल सिंह ने बताया कि समस्त बिजली कर्मियों की तरफ से होने वाले हवन कार्यक्रम में आस-पास के लोगों को भी वे मंदिर में अपनी मनोकामना के लिए आमंत्रित करते हैं।

ढाणी उनिंदा में हनुमान जी का रोट 22 को

मंडी अटेली। हनुमान जी का रोट 22 जुलाई को बाईपास महेंद्रगढ़ रोड़ उनिंदा अटेली में किया जाएगा। इंद्रजीत यादव ने बताया कि सुबह सवा सात बजे हवन किया जाएगा। उसके बाद सवा 10 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा।

ड्राइवर से 21 हजार ले गए तीन युवक, केस

नारनौल। नेशनल हाईवे नंबर 148 बी पर टोल प्लाजा सिरोही बहाली से पहले रोड पर फंसे हुए कैंटर के अंदर बैठे कैंटर ड्राइवर से बाइक सवार तीन युवक 21 हजार रुपये लूटने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि वे ड्राइवर का फोन भी अपने साथ ले गए। नांगल चौधरी थाना में पुलिस को दी गई शिकायत में फतेहाबाद जिले के गांव सरवरपुर निवासी रामकिशन ने बताया कि बीते कल वह अपनी कैंटर गाड़ी में सामान भरकर हिसार जा रहा था। सिरोही बहाली टोल प्लाजा के पास इंटरलोक टाइल की सड़क के ऊपर गाड़ी फंस गई। जिसके कारण वह गाड़ी के अंदर बैठा आराम कर रहा था। इस दौरान एक स्पलेंडर बाइक पर सवार होकर तीन युवक आए।

पोटास, आर्गेनिक कार्बन तत्वों की कमी से जूझ रही है उपजाऊ जमीन

रसायनिक खादों के अंधाधुंध इस्तेमाल से जमीनी पौषक तत्वों का संतुलन बिगड़ा, अनाज की गुणवत्ता पर पड़ने लगा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

- समाधान के लिए सरकार ने आर्गेनिक खेती तथा देशी खाद को बढ़ावा देने की योजना बनाई

जमीन में आवश्यक तत्वों की कमी और जरूरी मात्रा

पौषक तत्व	उपलब्ध मात्र	जरूरी मात्रा
जिंक	0.6	0.4
आर्गेनिक कार्बन	0.7	0.3
पोटास	10.20	8.10
पीएच	8.50	7.50

कम समय में ज्यादा पैदावार लेने के लिए किसान रसायनिक खाद का अंधाधुंध इस्तेमाल कर रहे हैं। जिस कारण जमीन के पौषक तत्वों का संतुलन बिगड़ गया और अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होने लगी है। समाधान के लिए सरकार ने आर्गेनिक खेती तथा देशी खाद को बढ़ावा देने की योजना बनाई है, लेकिन जागरूकता के आभाव में अधिकांश किसान इस्तेमाल करने को तैयार नहीं। नतीजन जमीन की उपजाऊ क्षमता कमजोर होने से किसानों की पैदावार घटनी आरंभ हो गई है। जिससे चिंतित विभाग खाद के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने का सुझाव दे रहा है।

आपको बता दें कि जमीन में 17 पौषक तत्वों की संतुलित मात्रा होनी अनिवार्य है। जिनकी पूर्ति के लिए फसल चक्र पद्धति द्वारा खेती और देसी व हरी खाद का इस्तेमाल करना जरूरी होता है, क्योंकि विभिन्न फसलों को अलग अलग तत्वों की जरूरत होती है, जो जमीन से ही उपलब्ध होते हैं। बार बार एक ही फसल उगाने से जमीन में दो तीन विशेष खनिजों की मात्रा कम पड़ने लगेगी, जिसके प्रभाव से पौधे का फुटाव कम होना, पीलापन तथा दाने का साइज पतला रहने लगता है। किसानों को पौषक तत्व व उनकी महत्वता की जानकारी नहीं होती और रसायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल करके फसल की ग्रोथ बढ़ाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार रसायनिक खाद में सभी 17 तत्व प्रचूर मात्रा में नहीं होते, कुछ की मात्रा ज्यादा तो कुछ कम होती हैं। सरसों की फसल पोटास की मात्रा को खींच लेती है, दूसरी ओर बाजरे को आयरन और जिंक की जरूरत होती है। जबकि यूरिया में नाईट्रोजन डीएपी में एमोनिया व पोटास होता है, पौधे को जरूरत के अनुसार सभी खनिज पर्याप्त मात्रा में चाहिए। समस्या की शिकायत मिलने पर विभाग ने ब्लॉक वाइज मिट्टी जांच के टारगेट निर्धारित किए हैं। कृषि विभाग को सोयल जांच करके उसकी रिपोर्ट किसानों तक पहुंचाने की हिदायत है। जिन खेतों में खनिजों की मात्रा असंतुलित है। वहां देसी खाद का इस्तेमाल करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की हिदायत है।

एक एकड़ में 30 किलोग्राम डीएपी का इस्तेमाल पर्याप्त

कृषि विभाग के बीएओ डॉ. हरीश यादव ने बताया कि अधिकतर किसान एक एकड़ रकबे में 50 किलोग्राम डीएपी व इतना ही यूरिया का छिड़काव करते हैं। जबकि जमीन को 30 किलोग्राम डीएपी व 20 किलोग्राम से अधिक यूरिया की जरूरत नहीं होती। डीएपी के स्थान पर सरसों के लिए एसएसपी खाद ज्यादा फायदेमंद रहता है, क्योंकि इसमें सल्फर व पोटास की प्रचूर मात्रा होती है। बशर्ते किसान एक बैग यूरिया साथ में बिजाई करें। उन्होंने बताया कि गेहूं व बाजरे की फसल के लिए एनपीके खाद अत्यंत उपयोगी रहता है।

पोटास जिंक पर पौधे का स्वास्थ्य व गुणवत्ता निर्भर

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जिंक की उपलब्धता से दाना मोटा पकेगा, अनाज में स्वादिष्टता के साथ गुणवत्ता भी बढ़ेगी, लेकिन पौधे को जमीन में से पौषक तत्वों की खींचने और ग्रोथ करने की ताकत जिंक से मिलती है। आर्गेनिक कार्बन से पौधे की जड़े गहराई तक पहुंचती है और पानी की आपूर्ति करने में मदद मिलती है। आर्गेनिक कार्बन की कमी को पूरा करने में कई साल लगते हैं, इसलिए खेत में देसी व हरी खाद का इस्तेमाल करना जरूरी होता है।

जिले में स्वास्थ्य विभाग की मलेरिया शाखा मच्छरों के विरुद्ध चला रही अभियान

मलेरिया के बाद डेंगू की दस्तक, एक केस मिला 1509 घरों में लारवा मिलने पर दिया नोटिस

जिले में 152 टीमें घर-घर जाकर डेंगू के लारवा चेक कर रही हैं और लोगों को जागरूक कर रही हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मच्छर भगाने के लिए फोगिंग करते हुए। व लारवा मिलने पर महिला को नोटिस थमाता हेल्थकर्मी। फोटो : हरिभूमि

जिले में मलेरिया के बाद डेंगू ने भी दस्तक दे दी है। इस माह स्वास्थ्य विभाग को एक डेंगू पॉजिटिव केस मिल चुका है। डेंगू मच्छर जनित रोग है तथा बरसात में सीजन में मच्छरों की भरमार हो चुकी है। ऐसे में जिले के लोगों को मच्छरों से सतर्कता बरतने की जरूरत है। मच्छर पनपने का आलम इस कद्र है कि जिले में अब तक 1509 घरों को लारवा मिलने पर नोटिस थमाए गए हैं तथा उन्हें लारवा जनित पानी नष्ट करने के आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए हैं। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग जुलाई मास को डेंगू रोधी माह के रूप में मना रहा है, जिसके तहत जिले में 152 टीमें घर-घर जाकर डेंगू के लारवा चेक कर रही हैं और लोगों को जागरूक कर रही हैं। गत 15 जुलाई तक 15,65,618 घरों को चेक किया जा चुका है, जिसमें 1509 घरों में लारवा मिला है, जिनको विभाग द्वारा नोटिस दिया गया है। नारनौल शहर में 14 डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर लगाए गए हैं, जो घर–घर जाकर लारवा चैक करते हुए खड़े पानी, नालियों व टंकियों में दवा डाल रहे हैं। इसके अलावा आशा वर्कर को भी सोर्स रिडक्शन एक्टिविटीज में शामिल किया गया है।

मच्छरों से बचाव के लिए फोगिंग करवाई जा रही:

शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग का कार्य अर्बन लोकल बॉडी विभाग का है और ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत विभाग द्वारा फॉगिंग करवाई जानी होती है। इसलिए उन्होंने इन दोनों विभागों से सहयोग की अपील की है, ताकि डेंगू व मलेरिया पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने उपरोक्त विभागों से जहां मच्छर ज्यादा हो वहां जुलाई से नवंबर तक रेगुलर फॉगिंग की अपील की।

यह बोले मलेरिया इंचार्ज

मलेरिया इंचार्ज एवं उप सिविल सर्जन डॉ. मनीष यादव ने बताया कि जिले में इस वर्ष अभी तक एक डेंगू पॉजिटिव केस आया है, जबकि 2021 में 161, 2022 में 72, 2023 में 44, 2024 में 62 डेंगू के केस आए थे। उन्होंने जिले की पंचायतों और नगर पालिका, नगरपरिषद जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए बताया कि डेंगू के प्रति जागरूकता कार्यक्रम और साफ सफाई में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें, ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

यह बोले सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि डेंगू की जांच जिला अस्पताल नारनौल और नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ पर मुफ्त उपलब्ध है। जिले की स्वास्थ संस्थाओं में डेंगू के मरीजों के लिए अलग से वार्ड और बेड निर्धारित किए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। इसके साथ–साथ जिला नागरिक अस्पताल पर ब्लड कंपोनेंट सेप्रेटर मशीन भी लगा दी गई है, जिससे डेंगू के मरीजों को फायदा होगा। मलेरिया एवं डेंगू होने पर घबराएं नहीं, बल्कि सरकारी अस्पताल जाकर प्रशिक्षित चिकित्सक से उचित परामर्श एवं उपचार लें। सरकारी अस्पतालों में इनका उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।

जोहड़ व तालाबों में छोड़ी जा रही गंबूजिया

मच्छर का लारवा नष्ट करने के उद्देश्य से जिले के तालाब और जोहड़ो में गंबूजिया मछली डलवाई जा रही हैं, जो मच्छर के लारवा को खाकर नष्ट कर देती हैं, जिससे मच्छर को पैदा होने से रोका जा सकता है। अभी तक जिले में 110 तालाब और जोहड़ों में यह काम पूरा कर लिया गया है।

हरियाणवी डांसर ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणवी डांसर सपना शर्मा और उसके ससुराल पक्ष के बीच विवाद सामने आया है। वीरवार शाम महिला थाना में जब दोनों पक्षों को बुलाया गया तो बहस हो गई। मामला हाथापाई तक जा पहुंचा। किसी तरह पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग थलग किया। इसके बाद अगले दिन शुक्रवार पीड़िता सपना शर्मा ने प्रेसवार्ता कर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाएं। यहीं नहीं, सबूत देने के बाद भी महिला थाना पुलिस पर भी ससुराल पक्ष का ही साथ देने की बात कही। इसको लेकर सपना शर्मा ने सोशल मीडिया पर पुलिस संबंधित वीडियो भी शेयर की है। अभी ससुराल पक्ष सामने नहीं आया है। वहीं, महिला थाना पुलिस पर लगे आरोपों को डीएसपी ने निराधार बताया है। मीडिया से बातचीत करते हुए पीड़िता सपना शर्मा ने बताया कि ससुराल पक्ष के खिलाफ उसने फरवरी माह में शिकायत दी थी। उसमें पति सहित जेठ, जेठानी व सास पर गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने तीन बार काउंसलिंग की। इसके बाद जो सामने आया, उसके हिसाब से सिर्फ पति को आरोपित मानते हुए 20 जून को एफआईआर दर्ज कर दी। इसी कारण महिला थाना में वीरवार को दोनों पक्षों को बुलाया गया था। पीड़िता का आरोप है कि महिला पुलिस कर्मचारियों को इस केस से जुड़े सभी सबूत दिए। इसके बावजूद भी ससुराल पक्ष की तरफ ही पुलिस पैरवी करती दिखाई दी।

यह दी थी पुलिस को शिकायत

पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी दो मार्च 2024 को अटेली में कमल के साथ हुई थी। शादी के दौरान उसके परिजनों ने अपनी हैसियत के अनुसार खर्चा किया था। परिजनों ने करीब 25 लाख रुपये खर्च किए थे। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही पति उसको दहेज के लिए परेशान करने लगा। बार-बार उसके साथ मारपीट की। उसका जेठ नीरज व जेठानी मधुबाला भी उसको परेशान करने लगे। पति कमल भी उसके साथ शराब पीकर भी मारपीट करता है। दूसरी औरतों की तस्वीरें दिखाकर कहता कि ये उसकी दोस्त हैं। वह उसे दहेज लाने के लिए कहता है। वहीं शिकायत में जेठ पर भी गंभीर आरोप लगाए। आपको बताते चले कि सपना 450 से ज्यादा गानों में काम कर चुकी है। इसके अलावा उसने करीब एक हजार स्टेज परफॉर्मेंस भी किया है।

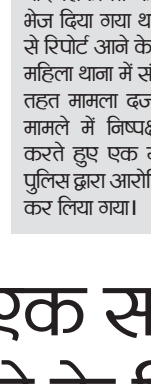

क्या कहते हैं डीएसपी

इस संबंध में डीएसपी सुरेश कुमार ने पुलिस का पक्ष रखते हुए बताया कि महिला ने फरवरी माह में पुलिस को शिकायत दी थी। जिसपर पुलिस द्वारा एक माह में तीन काउंसिलिंग कराई गई थी। इसके बाद शिकायत को एडीआर सेंटर भेज दिया गया था। एडीआर सेंटर से रिपोर्ट आने के बाद पुलिस द्वारा महिला थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में निष्पक्षता से कार्रवाई करते हुए एक माह से पहले ही पुलिस द्वारा आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

नारनौल। महेंद्रगढ़ रोड पर कैंडल मार्च निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

कैंडल मार्च निकाल जताया रोष

नारनौल। अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत की ओर से वीरवार रात को कैंडल मार्च निकालकर हिसार के 16 वर्षीय गणेश नामक युवक की मौत का विरोध जताया गया। आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग भी समाज की ओर से की गई। कैंडल मार्च वाल्मीकि सभा से शुरू हुआ, जो महेंद्रगढ़ रोड पर बनी भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक गया। इस अवसर पर महावीर वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि हिसार में वाल्मीकि समाज के 16 वर्ष के युवा गणेश वाल्मीकि की पुलिस द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वहीं उसके परिवार वालों को महिलाओं को भी पीटा गया। इस पूरे मामले के बाद भी आरोपी पुलिस कर्मियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। न ही किसी प्रकार की कोई एफआईआर दर्ज की गई। उनकी मुख्यमंत्री नायब सिंह से मांग है कि इस हत्या पर कार्रवाई की जाए और आरोपितों को सजा दी जाए। वाल्मीकि समाज पर हो रहे हैं अत्याचार पर अंकुश लगाया जाए।

नियमित कर्मचारी को आयुष्मान भारत मोबाइल एप्लीकेशन पर करवाना होगा पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- हरियाणा से बाहर रहने वाले सेवारत अधिकारियों को एचआरएमएस अथवा इंट्रा हरियाणा पोर्टल में अपने डेटा का उपयोग करके सीआरआईडी द्वारा जारी पीपीपी आईडी के लिए करना होगा आवेदन

हरियाणा ट्रेजरी एवं अकाउंट विभाग ने राज्य के सभी ख़जाना अधिकारियों को आदेश जारी किया है कि विभाग के सभी नियमित कर्मचारी, पेंशनर्स एवम पारिवारिक पेंशनर्स को 31 जुलाई तक आयुष्मान भारत मोबाइल एप्लीकेशन पर अपना पंजीकरण अवश्य कराना अनिवार्य है। इस विषय में जारी पत्र में महानिदेशक ने लिखा है कि सभी कोषाधिकारी अपने-अपने जिले में नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए आयुष्मान भारत ऐप पर पंजीकरण हेतु पेंशनभोगियों से समन्वय स्थापित करेंगे तथा पांच अगस्त तक इसकी अनुपालन रिपोर्ट निदेशालय को प्रस्तुत करेंगे। यह भी निर्देशित किया गया है कि आयुष्मान ऐप पर पंजीकरण के संबंध में किसी भी प्रश्न/समस्या के लिए संबंधित कर्मचारी अपने कोषाधिकारी से संपर्क करेंगे तथा कोषाधिकारी (कर्मचारियों एवं विभागीय पेंशनभोगियों के लिए) संयुक्त निदेशक अथवा अनुभाग अधिकारी से संपर्क करेंगे। आदेश में कहा गया है कि हरियाणा से बाहर रहने वाले सेवारत अधिकारियों को एचआरएमएस अथवा इंट्रा हरियाणा पोर्टल में अपने डेटा का उपयोग करके सीआरआईडी द्वारा जारी पीपीपी आईडी के लिए आवेदन करना होगा। हरियाणा से बाहर रहने वाले विभागीय पेंशनभोगियों को अस्थायी पीपीपी आईडी के लिए सीआरआईडी पर आवेदन करना होगा। इसका समन्वय केवल कोष एवं लेखा विभाग के पेंशनभोगियों के लिए संयुक्त निदेशक द्वारा किया जाएगा।

जिले में 1325 एमटी खाद उपलब्ध, एक सप्ताह में सभी पैक्स की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

- यूरिया खाद के संबंध में डीसी डॉ. विवेक भारती ने ली अधिकारियों की बैठक
- हरियाणा की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का अहम रोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यूरिया खाद के संबंध में अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसानों को खाद मिलने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अगर किसी अधिकारी की लापरवाही से खाद मिलने में कोई दिक्कत होगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने शुक्रवार लघु सचिवालय में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, कृषि व अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का अहम रोल है। सरकार भी लगातार सहकारिता को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पैक्स में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रहे। सभी अपनी डिमांड समय पर भेजें।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि एक सप्ताह में सभी पैक्स की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। सभी जगह पीओएस मशीनें चलनी चाहिए। अगर एक भी पैक्स काम नहीं करती मिले तो इसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा। उपायुक्त ने किसानों से आह्वान किया कि जिला में खाद की कोई कमी नहीं है। एक साथ अधिक मात्रा में खाद ना खरीदें। इस समय जिला में 1325 एमटी यूरिया खाद उपलब्ध है। जल्द ही 600 एमटी यूरिया और मिलने वाली है।

इस बैठक में नगराधीश मंजीत कुमार, डीडीए देवेंद्र सिंह बाजवा, पैक्स के जीएम प्रशांत कुमार, हैफेड के डीएम प्रवीण भारद्वाज, कोऑपरेटिव सोसाइटी के एआर अरविंद हुड्डा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एनाकोंडा सांप का वजन लगभग 300 किलो तक हो सकता है।

बिच्छू एक हफ्ते तक सांस रोककर भी जिन्दा रह सकता है।

एजुकेशन लोन : पढ़ाई में आ रही है दिक्कतों से मुक्ति

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर कोई बिना किसी वाधा के अपनी पढाई का सफर पूरा करना चाहता है ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके। कुछ लोगों के साथ ऐसा नहीं होता है क्योंकि घर की स्थिति खराब होती है और वो अपनी शिक्षा को जारी नहीं रख पाते हैं। अगर कोई भी इस तरह की स्थिति से जूझ रहा हैं तो उसे बैंक से एजुकेशन लोन मिल सकता है। अगर अभिभावक बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाने में काबिल नहीं हैं और उनका सपना है कि उनका बच्चा जिंदगी में बढ़े लेवल पर काम करे तो वह स्टूडेंट स्कालरशिप कि साथ साथ स्टूडेंट लोन भी ले सकते हैं।

क्या है एजुकेशन लोन

अपनी एजुकेशन पर किसी बैंक संस्थान से लिया गया पैसा या उच्च स्तर की शिक्षा के लिए लोन लेने को एजुकेशन लोन या फिर स्टूडेंट लोन का नाम दिया जाता है। इस लोन को छात्र खुद या उसके अभिवावक प्राप्त कर सकते हैं और अपने बच्चे को आगे की पढाई बिना किसी रूकावट के करा सकते हैं। इसी के साथ छात्र का सपना अगर विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करना है तो वह बैंक की शर्तों के आधार पर लोन प्राप्त कर सकता है।

कैसे लें लोन

शिक्षा ऋण लेने से पहले आपको इसके टर्म और कंडीशन को अच्छे से समझना होगा ताकि बाद में पैसा वापस करने में कोई परेशानी न उठानी पड़े। लेकिन यह भी सही है कि शिक्षा ऋण में आपको दूसरे ऋणों के मुकाबले काफी कम ब्याज और ज्यादा समय भी मिलता है। इसके लिए आपको सही बैंक को चुनना जरुरी है और उनसे उनकी शर्तों को पता कर लें। अगर आप बाद में लोन की राशि लुटाने में सक्षम हो तो आप एक गारंटर को साथ लेकर बैंक के सारे रूल मानते हुए लोन ले सकते हैं। लोन की पूरी पर्किया पास होने पर जब आप और बैंक बिल्कुल निश्चिंत हो जाएं तो आपको लोन का पैसा दे दिया जाता है। जिसकी मदद से आप आसानी से अपनी उच्च शिक्षा के सपने को साकार कर पाएंगे।

कितने प्रकार का होता है लोन

पेरेंट्स लोन :- यह लोन स्टूडेंट के मां-बाप को दिया जाता है, जिनकी वित्तीय क्षमता बच्चों को उच्च सत्तर की शिक्षा देने में सही नहीं होती। यह पैरेंट लोन लेकर वह अपने बच्चे को उच्च शिक्षा दिला सकते हैं।

अंडर ग्रेजुएट लोन :- यह लोन उन स्टूडेंट्स के लिए होता है जो अपनी स्कूल की पढाई पूरी करने के बाद स्नातक करना चाहते हैं और वह ग्रेजुएशन चाहे भारत में या विदेश में करनी हो उनको लोन मिल जाता है और लोन की मदद से छात्र आसानी से अपनी ग्रेजुएशन कर पता है।

प्रोफेशनल ग्रेजुएट लोन :- इसका मतलब जो छात्र स्नातक पूरा कर चुके हैं और आगे की पढाई करना चाहते हैं , तो उनको यह लोन दिया जाता है।

करियर एजुकेशन लोन :- किसी खास क्षेत्र में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले यह लोन ले सकते हैं। जैसे कि अगर कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो वह मेडिकल करियर के लिए लोन पास करवा सकता है।

इन सभी में से आपको किसी भी प्रकार का लोन चाहिए तो आप अपने नजदीकी बैंक से इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और लोन के प्रोसेस के लिए आगे बढ़ सकते हैं।

डाक्यूमेंट और जरूरत पर करता निर्भर

कितना लोन मिलता

एजुकेशन लोन की राशि आपके पढाई के डाक्यूमेंट्स और आपकी जरूरत पर निर्भर करती हैं। आपको 50,000 से लेकर 4 लाख रूपए तक का स्टूडेंट लोन आसानी से मिल जाता है जो आप बिना किसी गारंटी के ले पाएंगे। अगर आप 10वीं पास यानी कि 10वीं के सर्टीफिकेट पर लोन लेना चाहते हो तो आपको 50,000 से लेकर 1,50,000 रूपए तक लोन मिल जाता है।

क्या कागजात चाहिए

स्टूडेंट को अपनी एजुकेशन पर लोन लेने के कुछ जरुरी कागजातों की जरुरत पड़ेगी, एजुकेशन लोन कागजात के लिए निम्नलिखित दस्तावेज चाहिए।

योग्यता प्रमाण पत्र, कोर्स की जानकारी
आयु दस्तावेज , निवास पता
पहचान पत्र , बैंक की पासबुक
पासपोर्ट साइज फोटो

प्रोसेस

आपको किसी बैंक या संस्था से लोन लेने के लिए पुरे प्रोसीजर को फॉलो करना होता है ताकि आपको जल्दी और ठीक तरीके से लोन का पैसा मिल सके। यह है लोन प्रोसेस।

- सबसे पहले बैंक का निर्धारण कर बैंक से संपर्क करें।
- बैंक अधिकारीयों से स्टूडेंट लोन के बारे में पता करें और उनके द्वारा दिए गए फॉर्म को ठीक से भरें।
- अब बैंक आपसे जो भी जरुरी कागजात मांगती है वह उपलब्ध करवाएं।
- बैंक वाले आपसे जो जानकारी पूछे उसे सही से बताएं और उनकी शर्तें भी पता करें।
- अगर अपने फॉर्म के साथ डॉक्यूमेंट भी जमा करा दिए हैं तो बैंक के जवाब का इंतजार करें।
- बैंकों की अपनी एक प्रोसेस होती है लोन को पास करने की वह पूरी होते ही आपको लोन मिल जाता है।

ब्याज दर

एजुकेशन लोन में ब्याज दरें दूसरी लोन स्कीम के मुकाबले काफी कम होती हैं। बैंक की ब्याज दर सबकी अलग अलग होती हैं। इसमें समय-समय पर बदलाव होता रहता है।

भारतीयों की पहली पसंद है विदेशों से एजुकेशन हासिल करना

विदेश में पढ़ाई करना चाहते है तो आपके काम आएंगे यह प्लेटफॉर्म

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

उच्च शिक्षा प्राप्त करने का साधन

द वर्ल्डग्रेड

देपिछले कुछ समय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की कुल संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले समय में इससे और अधिक बढ़ने की संभावना है। भारतीय छात्रों के लिए विदेश में सबसे लोकप्रिय स्टडी प्लेस अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप और सिंगापुर है। यदि आप विदेश से उच्च शिक्षा लेना चाहते हैं तो इन प्लेटफॉर्म्स की मदद ले सकते हैं।

ईयूगेटवे

ईयूगेटवे विदेश में अध्ययन परामर्श फर्म है, जो यूरोपीय देशों में शिक्षा के लिए परामर्श देने के साथ लैंग्वेज ट्रेनिंग प्रोग्राम भी करवाती है। **eugateway.in** पर यूनिवर्सिटी एवं कोर्स की पहचान कर सकत है। इसके साथ ही यह भी समझने का मार्गदर्शन मिलेगा कि प्रवेश प्रक्रिया क्या है, वीजा के लिए कैसे आवेदन किया जा सकता है।

आइडीपी कंसल्टेंसी

यह कंपनी एक इंटरनेशनल एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन है, जो दुनियाभर में छात्रों को प्लेसमेंट की सुविधा देती है। यहां आस्ट्रेलिया, अमरीका, यूके, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और कनाडा में स्टडी का मार्गदर्शन मिलेगा। इस प्लेटफॉर्म पर पाठ□क्रम की सलाह के साथ आइईएलटीएस की तैयारी, वीजा, आवास, स्वास्थ्य कवर की जानकारी मिलेगी।

एडवाइस

इस प्लेटफॉर्म की मदद से भी आप सही विदेशी शैक्षणिक संस्थान का चुनाव कर सकते हैं। यहां यूके, यूएसए, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, दुबई, स्विट्जरलैंड, मलेशिया आदि देशों में स्टडी की जानकारी ले सकते हैं।

स्टडी एंड वर्क अब्रॉड

यह प्लेटफॉर्म उन लोगों के लिए उपयोगी है जो विदेश जाना चाहते हैं, फिर चाहे वजह स्टडी हो या फिर नौकरी। **Studyandworkabroad.in** पर जाकर आप अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार मार्गदर्शन ले सकते हैं। यहां सही मार्गदर्शन करने के लिए आपको विदेशी सलाहकारों की मदद मिलेगी।

लिवरेज एडु

यह प्लेटफॉर्म छात्रों को अपनी अब तक यात्रा को नेविगेट करने और उसका आकलन करने में मदद करता है। उन्हें पर्सनल एडवाइजर्स से मदद मिलती है। यहां छात्रों को रोजगार के नजरिए से यह समझने में मदद मिलती है कि किस के कोर्स वर्तमान एवं भविष्य के लिए उपयोगी होंगे। इसकी भारत एवं विदेश में 35 से अधिक साइट्स है।

द वर्ल्डग्रेड

इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत कोरोना के दौरान विदेश में पढ़ाई की चुनौतियों का समाधान करना है। विदेश में स्टडी करने के लिए आवेदन करने वाले छात्र अपना पहला सेमेस्टर या पूरा एक साल ऑनलाइन स्टडी कर सकते हैं। बाकी सेमेस्टर ऑफलाइन एवं कैंपस में पूरा कर सकते हैं। इस तरह एक साल अपने विदेश में रहने के खर्चे को बचा सकता है। वीजा आवेदन प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शन अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं की सुविधा भी मिलेगी।

ईएसएस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड

ईएसएस ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड उन छात्रों के लिए बहुत उपयोग है, तो विदेश में अध्ययन करना चाहते हैं। वर्ष 2001 से संचालित यह फर्म मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप, न्यूजीलैंड आदि देशों में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं कॉलेज में स्टडी का मार्गदर्शन करती है। इस कंपनी की 12 शाखाएं हैं और अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए 3,450, कनाडा के लिए 1150 और यूरोप के लिए 1200 स्टडी वीजा उपलब्ध करवा चुकी है।

विदेश में पढ़ाई करने के फायदे

विदेश में पढ़ाई का विकल्प चुनने से आप दुनिया को एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहां आपको नए देशों को पूरी तरह से नई गतिविधियों और रिवाजों को एक्सपीरियंस करने का अवसर मिलेगा। आप जब दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं, तो आपकी यात्रा आपको हर तरह के लोगों के साथ बातचीत करने में मदद करती है, जिससे आपके सोचने का दायरा अलग-अलग हो जाता है। यह विदेश में पढ़ाई करने के शीर्ष लाभ में से एक है। आप विदेश में बेहतर करियर विकल्प भी चुन सकते हैं। विदेश की कई यूनिवर्सिटीज है जो बेहतर कोर्स के साथ-साथ छात्रवृत्तियां भी देती हैं।

फिटनेस में है रुचि तो न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर, मिलेगी अच्छी सैलरी

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

यह करना होता है काम

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या है फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट भी डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कर सकते हैं ये कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में बीएससी और एमएससी कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

खुद को जानना, अपनी ताकत, कमजोरियों और मूल्यों को समझना ही असली सफलता

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

सफलता एक ऐसा शब्द है जो हर छात्र के दिल में एक अलग ही जोश और प्रेरणा भर देता है। लेकिन क्या आपने कभी गहराई से सोचा है कि सफलता का असली मतलब क्या है? क्या यह केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना, एक प्रतिष्ठित नौकरी पाना, या सामाजिक मान्यता प्राप्त करना है? नहीं, असली सफलता इससे कहीं गहरी है। असली सफलता है खुद को जानना अपनी ताकत, कमजोरियों, जुनून, और मूल्यों को समझना। जब आप अपने आप को पूरी तरह समझ लेते हैं, तो जीवन की हर चुनौती आसान लगने लगती है, और आप अपने कौशलों को निखारकर अपने सपनों को हकीकत में बदल सकते हैं। यह लेख छात्रों को प्रेरित करने के लिए है, जिसमें हम आत्म-जागरूकता के महत्व, इसके लाभ, और अपने कौशलों को विकसित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

आत्म-जागरूकता : सफलता का आधार

आत्म-जागरूकता का अर्थ है अपने विचारों, भावनाओं, रुचियों, और व्यवहार को समझना। यह एक दर्पण की तरह है जो आपको दिखाता है कि आप वास्तव में कौन हैं। जब आप अपने आप को जान लेते हैं, तो आप न केवल अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से देख पाते हैं, बल्कि यह भी समझ पाते हैं कि उन लक्ष्यों तक पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।

सही दिशा का चयन: आज के समय में छात्रों पर कई तरह के दबाव होते हैं—परिवार की अपेक्षाएँ, सामाजिक मानदंड, या दोस्तों का प्रभाव। आत्म-जागरूकता आपको यह समझने में मदद करती है कि आपके लिए क्या सही है। उदाहरण के लिए, अगर आपको विज्ञान में रुचि नहीं है, लेकिन आप संगीत में रुचि रखते हैं, तो आप संगीत को अपने करियर का हिस्सा बना सकते हैं, भले ही समाज में विज्ञान को अधिक महत्व दिया जाता हो।

आत्मविश्वास का विकास: जब आप अपनी ताकत को पहचानते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। यह आत्मविश्वास आपको असफलताओं से डरने के बजाय उनसे सीखने की हिम्मत देता है।

कमजोरियों को सुधारने का अवसर: आत्म-जागरूकता आपको अपनी कमजोरियों को स्वीकार करने और उन पर काम करने की प्रेरणा देती है। उदाहरण के लिए, अगर आपको सार्वजनिक बोलने में डर लगता है, तो आप इस कौशल को बेहतर बनाने के लिए अभ्यास कर सकते हैं।

बेहतर निर्णय लेना: जब आप अपनी प्राथमिकताओं और मूल्यों को समझते हैं, तो आप बेहतर निर्णय ले सकते हैं। यह आपको उन रास्तों से बचाता है जो आपके लिए सही नहीं हैं।

समय और ऊर्जा की बचत: जब आप जानते हैं कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है, तो आप अपना समय और ऊर्जा उन चीजों पर केंद्रित करते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपको लेखन में रुचि है, तो आप इंजीनियरिंग की किताबों में समय बर्बाद करने के बजाय लेखन कार्यशालाओं में भाग ले सकते हैं।

तनाव में कमी: आत्म-जागरूकता आपको यह समझने में मदद करती है कि आप किन चीजों से तनावग्रस्त होते हैं और उन्हें कैसे प्रबंधित करना है। उदाहरण के लिए, अगर आपको समय प्रबंधन में कठिनाई होती है, तो आप अपने दिन को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करने के लिए टाइम मैनेजमेंट तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं।

व्यवस्थित योजना बनाने में सहायक

सकारात्मक रिश्ते: जब आप अपने आप को समझते हैं, तो आप दूसरों के साथ बेहतर संबंध बना सकते हैं। आप जानते हैं कि आपको किन लोगों के साथ समय बिताना पसंद है और कौन से रिश्ते आपके लिए विषाक्त हो सकते हैं।

लक्ष्य प्राप्ति में आसानी: आत्म-जागरूकता आपको अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करने और उनके लिए एक व्यवस्थित योजना बनाने में मदद करती है। इससे आप अपने सपनों को हासिल करने के लिए सही कदम उठा सकते हैं।

आत्म-मूल्यांकन करें: एक डायरी बनाएं और उसमें अपनी ताकत, कमजोरियाँ, रुचियाँ, और लक्ष्य लिखें। कुछ सवालों के जवाब ढूँढें: मुझे क्या करने में मजा आता है? मैं किस चीज में स्वाभाविक रूप से अच्छा हूँ? मुझे किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है?

नए कौशल सीखें: ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे **Coursera**, **Udemy**, या **YouTube** पर उपलब्ध मुफ्त या सशुल्क कोर्सेज का उपयोग करें। उदाहरण के लिए, अगर आप प्रोग्रामिंग सीखना चाहते हैं, तो **Python** या **Java** जैसे कोर्स शुरू करें। स्थानीय कार्यशालाओं या कक्षाओं में भाग लें, जैसे कि कला, नृत्य, या सार्वजनिक बोलने की कक्षाएँ।

नियमित अभ्यास करें: किसी भी कौशल को निखारने के लिए निरंतर अभ्यास जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आप लेखन में सुधार करना चाहते हैं, तो रोजाना 10-15 मिनट लिखने का अभ्यास करें। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे कि हर हफ्ते एक नया शब्द सीखना या एक छोटी कहानी लिखना।

फीडबैक लें : अपने शिक्षकों, दोस्तों, या परिवार से अपनी प्रगति के बारे में राय लें। वे आपको उन क्षेत्रों के बारे में बता सकते हैं जहाँ आप अच्छा कर रहे हैं और जहाँ सुधार की जरूरत है। रचनात्मक आलोचना को सकारात्मक रूप से लें। यह आपको बेहतर बनाने में मदद करेगी। गलतियों से डरें नहीं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है।

सामान्य ज्ञान

1. स्वामी विवेकानंद को 'विवेकानंद' की उपाधि किसने प्रदान की थी ?
(ए) महाराजा खेतड़ी ने
(बी) महाराजा बडौदा ने
(सी) रामकृष्ण परमहंस ने
(डी) इनमे से कोई नहीं

2. संगीतज्ञ एवं धुपद गायिकी तानसेन को "कंठाभरणवाणीविलास" की उपाधि किसने डी थी?
(ए) बाबर
(बी) अकबर
(सी) बैरम खान
(डी) जहाँगीर

3. मल्लराज सस्तिपल के महल में मृयु हुयी थी?
(ए) महात्मा बुद्ध की
(बी) महावीर स्वामी की
(सी) स्वामी विवेकानंद की
(डी) इनमे से कोई नहीं

4. भारतीय पुनर्जागरण आन्दोलन के पिता कौन थे ?
(ए) बाल गंगाधर तिलक
(बी) दयानन्द सरस्वती
(सी) राजा राममोहन राय
(डी) श्रधानंद

5. शिकागो के प्रसिद्ध विश्व धर्म सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किसने किया था ?
(ए) सवामी श्रधानंद ने
(बी) स्वामी विवेकानंद ने
(सी) गोपाल कृष्ण गोखले
(डी) बाल गंगाधर तिलक ने

6. बंगाल में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक थे ?
(ए) चैतन्य
(बी) रामानंद
(सी) नामदेव
(डी) रामानुज

7. किसकी समाधि होने के कारण नांदेड़ गुरुद्वारा सिख समुदाय के लिए पवित्र स्थल माना जाता है ?
(ए) गुरु नानक
(बी) गुरु रामदास
(सी) गुरु अर्जुन देव
(डी) गुरु गोविन्द सिंह

8. सुप्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्जा ग़ालिब कहाँ के मूल निवासी थे ?
(ए) आगरा
(बी) लखनऊ
(सी) दिल्ली
(डी) लाहौर

उत्तर 1.(ए) 2.(बी) 3.(बी) 4.(सी) 5.(बी) 6.(ए) 7.(डी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की जयंती मनाई

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नोबेल शांति पुरस्कार एवं भारत रत्न से सम्मानित नेल्सन मंडेला की जागृति संदेश के रूप में जयंती बनाई गई। यदुवंशी एजुकेशन के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बताया कि रंगभेद को समाप्त करने और एक नए लोकतांत्रिक दक्षिण अफ्रीका की नींव रखने के लिए नेल्सन को संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। संस्था निदेशक सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, प्राचार्य बजरंग लाल, उप प्राचार्या सोनल यादव ने बताया कि मंडेला की जयंती हम सब के लिए प्रेरणादायक है।

दूसरे दिन भी अधिवक्ताओं की हड़ताल रही

मंडी अटेली। स्थानीय तहसील परिसर में चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही, जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। तहसील में कार्यरत अधिकारियों की कार्यप्रणाली से तंग अधिवक्ताओं ने दो दिन की हड़ताल करने का निर्णय लिया था, जिसके चलते यह हड़ताल जारी रही।

दो स्कूलों की एसएमसी एक ही बनाने का किया विरोध

हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन ने सीएम के नाम डीईओ को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डीईओ को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्कूल परियोजना परिषद ने नौ जुलाई को एक आदेश पत्र जारी कर स्कूलों में गठित मैनेजमेंट समितियों को रद्द कर दिया है। पत्र के अनुसार एक ही कैंपस में प्राइमरी स्कूल स्थित है तो उसकी कमेटी अलग से नहीं बनाई जाएगी। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता वेद प्रकाश ने बताया कि विभाग द्वारा जारी इस पत्र को लेकर राज्य कार्यकारिणी की एक बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष हरिओम राठी तथा प्रदेश उपाध्यक्ष सुबे सिंह सेकवाल ने सभी जिलों द्वारा इसका विरोध करने की घोषणा की।

उसी के तहत शुक्रवार हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन की जिला महेंद्रगढ़ इकाई ने भी बैठक का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान कृष्ण नंगली व जिला महासचिव डॉक्टर जसवंत यादव ने की। जिला वरिष्ठ उप प्रधान सुरेश यादव व जिला उप प्रधान योगेंद्र यादव ने बताया कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 21 के अनुसार सभी प्राथमिक विद्यालयों में समितियों का गठन किया जा चुका है। यह आदेश पत्र स्पष्ट रूप से उक्त नियम का उलंघन करता हुआ प्रतीत होता है। जिला सचिव अभय यादव व योगेश नंगली के अनुसार विभाग प्राथमिक विद्यालयों के हित में जारी की जाने वाली सहायता राशियों को भी बंद करने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा प्राथमिक स्कूलों का कोड और यू डाइस कोड भी अन्य प्रकार के स्कूलों से अलग होता है। ऐसे में एक ही विद्यालय प्रबंधन समिति का निर्माण करना पूर्ण रूप से अनुचित है। लगभग सभी विद्यालयों में एसएमसी प्रधानों के बैंक में अकाउंट खुलवाए जा चुके हैं तथा इस प्रकार के तुगलकी आदेश पत्र के कारण समय और धन की भी बर्बादी होगी। उन्होंने बताया कि विभाग के इस पत्र के अनुसार मिड डे मील वर्कर या अन्य स्टाफ के सदस्यों को शामिल न करने की बात कही है जो संवैधानिक रूप से अनुचित है।

अब से पहले जिन स्टाफ कर्मियों अथवा मिड डे मील वर्कर्स, चौकीदार और आंगनवाड़ी वर्कर्स के बच्चे विद्यालय में पढ़ते थे तो उन्हें भी एसएमसी में शामिल किया जाता रहा है।

प्राथमिक शिक्षक करेंगे आंदोलन

विद्यालय प्रबंध समिति के पुनर्गठन से चुने गए गए माता-पिता/अभिभावको और ग्रामीणों की भी समरसता खराब होगी और उनमें तनाव पैदा हो सकता है। चुने गए सदस्यों में भी विद्यालय प्रशासन के प्रति नकारात्मकता बन सकती है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा इस प्रकार का पत्र जारी करने से पहले राइट टू एजुकेशन एक्ट 2009 तथा प्राथमिक विद्यालय के हित को भी ध्यान में रखना चाहिए था। उन्होंने बताया कि यदि विभाग द्वारा यह पत्र निरस्त नहीं किया गया तो प्रदेश के प्राथमिक शिक्षक इसके विरोध में आंदोलन करेंगे। ज्ञापन देने में महेंद्रगढ़ संगठन जिला इकाई प्रतिनिधिमंडल में कनीना खंड प्रधान रामकिशन यादव, अजय सिंह खंड महासचिव, प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र यादव कमानिया, सुरजीत यादव, बलजीत, गोवर्धन दास धर्मेंद्र, राजपाल मांड्या, समेत कई पदाधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

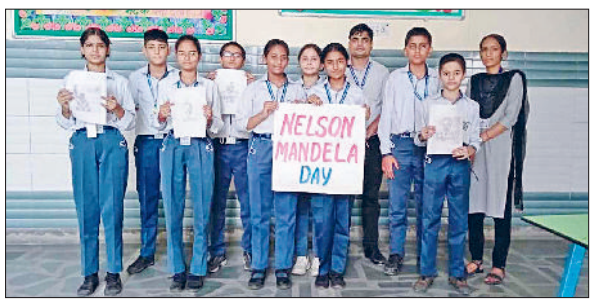

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में भाषण और चार्ट मेकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी स्कूल में अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान क्रांतिमारी नेल्सन मंडेला दिवस पर विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता एवं चार्ट मेकिंग गतिविधियों में भाग लिया। इन आयोजन का उद्देश्य छात्रों को महान नेताओं के विचारों से प्रेरित करना और उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। छात्रों ने भाषण प्रतियोगिता में नेल्सन मंडेला के जीवन, उनके संघर्ष, मानवधिकारों की रक्षा हेतु किए गए योगदान और रंगभेद के खिलाफ उनके दृढ़ संकल्प पर प्रभावशाली भाषण दिए। वहीं दूसरी ओर चार्ट मेकिंग गतिविधियों में छात्रों ने विश्व शांति के लिए नेल्सन मंडेला के प्रयासों को सुंदर चित्रों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया। यह गतिविधि न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि छात्रों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना विकसित करने में भी सहायक सिद्ध हुई। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि नेल्सन मंडेला ने हमें सिखाया कि परिवर्तन लाने के लिए सबसे बड़ा हथियार शिक्षा है। अगर इच्छा शक्ति मजूबत हो तो कोई भी बदलाव संभव है। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी भविष्य के निर्माता हैं। अपने विचारों और कर्मों से समाज को दिशा देने का प्रयास करें और सच्चे नागरिक बनें। इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की।

श्रीकृष्णा स्कूल के पांच खिलाड़ियों ने जीते गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल के बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने सब जूनियर लड़के व लड़कियों की बॉक्सिंग ट्रायल प्रतियोगिता में पांच गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बॉक्सिंग कोच महीपाल यादव व उत्तम सिंह ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल में सब जूनियर लड़के व लड़कियों की बॉक्सिंग ट्रायल करवाई गई, जिसमें जिले के विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसको लेकर स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि सीईओ कर्मवीर राव, विशिष्ट अतिथि पीआरओ सुधीर यादव व अध्यक्षता प्राचार्य रवि प्रकाश द्वारा की गई। महीपाल यादव ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल के 30-32 कि.ग्राम भाग वर्ग में अमन यादव प्रथम, हर्षित तंवर 35-37 कि.ग्राम भाग वर्ग में प्रथम, कार्तिक 49-52 कि.ग्राम भाग वर्ग में कार्तिक प्रथम, नितिन 58-61 कि.ग्राम भाग वर्ग में प्रथम, मयंक मेहता 64-67 कि.ग्राम भाग वर्ग प्रथम रहकर गोल्ड मेडल जीते। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी प्रदेश स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि खेल में हार-जीत कोई मायने नहीं रखती, बल्कि हारने वाले खिलाड़ी को आगे होने वाले मुकाबलों में कड़ी मेहनत के साथ रिंग में उतरना चाहिए। इस मौके कोच उत्तम, मोनिका, सोनू सहित खिलाडी उपस्थित रहे।

नारनौल। पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बुचोली में पौधरोपण कर मनाया अतिरिक्त मुख्य सचिव का जन्म दिवस

नारनौल। गांव बुचोली में महेंद्रगढ़ रोड स्थित अम्बेडकर वाटिका में डा. भीम राव अम्बेडकर सभा ने 101 पौधे लगाकर आईएएस डाक्टर राजा शेखर वुंडरू का जन्मदिन मनायागया। डाक्टर राजा शेखर वुंडरू महेंद्रगढ़ में उपमंडल अधिकारी नागरिक तथा उपायुक्त के पद पर रहते हुए इस इलाके के विकास कार्यों को गति प्रदान की थी। आज भी यहां की आम जनता इन के द्वारा करवाए गए कार्यों की सराहना करती है। उन का इस क्षेत्र के प्रति विशेष लगाव है। इस विशेष लगाव के कारण शुक्रवार अम्बेडकर सभा के सदस्यों ने अलग-अलग तरह के फल, फुल एवं छायादार एक सौ एक पौधे लगाकर उनका जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हरियाणा सरकार ने एक पेड़ मां के नाम की मुहिम चला रखी है। इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए यह प्रोग्राम किया गया। हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम पांच पेड़ माता-पिता व बच्चों के जन्मदिन पर अवश्य ही लगाने चाहिए। महापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए यह जन्मदिन एक विशेष उत्सव के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में विज्ञान अध्यापक राजेश कुमार मैहरा एवं हरियाणा एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड पंचकूला में कार्यरत ब्रह्मानंद मेहरा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुन्दर लाल जोरासिया, मास्टर दिलबाग सिंह, खुशहाल मैहरा, शेरसिंह, दलीप सिंह खोला पंच आदि का विशेष योगदान रहा।

एचपीएस के छात्र गर्वित को सीएस प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने पर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। छात्र गर्वित को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेट्री ऑफ इंडिया की ओर से बुधवार को सीएस एग्जीक्यूटिव प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों के सबसे बड़े सपने को साकार करते हुए नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के छात्र गर्वित पुत्र अजय कुमार ने प्रथम प्रयास में ही अच्छे अंकों से सीएस एग्जीक्यूटिव प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने माता पिता के साथ साथ विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। शुक्रवार को विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में गर्वित को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

छात्र गर्वित ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, विद्यालय व एचपीएस गुरुजनों को देते हुए बताया कि वह एक अच्छा सीएस बनकर देश की सेवा करना चाहता हैं। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों ने खुशी जाहिर कर छात्र को बधाई दी। एचओडी कॉमर्स डॉ मनोज गर्ग ने छात्र गर्वित को बधाई दी। संस्था के डीन मनोज भारद्वाज ने बताया कि छात्र की यह उपलब्धि क्षेत्र व जिले के लिए गौरव की बात है। प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि विद्यालय लगातार पिछले कई वर्षों से शिक्षा के साथ-साथ इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को सफल बनाने में प्रयासरत है। प्रबंधन कमेटी से एमडी डॉ हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निदेशक पुष्करमल वर्मा ने छात्र गर्वित की सफलता की प्रशंसा करते हुए उसकी माता अनुजा कुमारी को बधाई दी।

नारनौल। डवलपमेंट प्रोग्राम भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिंघानिया विश्वविद्यालय में चार दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

नारनौल। पचेरी बड़ी स्थित सिंघानिया विश्वविद्यालय में शिक्षकों के मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास को केंद्र में रखते हुए आर्ट आफ लिविंग संस्था के सहयोग से एक चार दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में आर्ट आफ लिविंग के संस्थापक और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आध्यात्मिक गुरु रविशंकर ने भी आनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए प्रतिभागी फैकल्टी सदस्यों को संबोधित किया और उन्हें जीवन में संतुलन, शांति व सेवा के महत्व पर प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में ध्यान, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, एवं जीवन की सरलता को लेकर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण सत्र का संचालन संस्था की अनुभवी प्रशिक्षक स्वाति रावत एवं अरुणिमा शर्मा द्वारा किया गया।

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल अटेली के सात छात्रों ने जीते गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हाल ही में आयोजित हुई दिल्ली में नेशनल ओपन चैंपियनशिप में हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर अटेली के सात छात्रों ने गोल्ड मेडल जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कियाहै। स्कूल प्रिंसिपल अनूप कुमार ने बताया कि दिल्ली में आयोजित नेशनल ओपन खेलों में उनके स्कूल के सात छात्रों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया, जिसमें श्रद्धा, स्मार्ट, हर्ष और जयंत ने ताइक्वांडो में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं उज्ज्वल व भवी ने 100 मीटर रेस में, लक्षिता एवं प्रियांशु ने 200 मीटर और 800 मीटर रेस में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। बच्चों के इस प्रदर्शन से अभिभावकों और स्कूल में खुशी का माहौल है। इस मौके पर विजेता छात्रों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। वाइस चेयरमैन मनोज ने बताया कि आज के परिवेश में शिक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी बच्चों के लिए खेलकूद है। इससे बच्चों में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास होता है। बच्चों के विचारों में निखार आता है। खेल को आज के बच्चे केरियर के रूप में भी अपनाने लगे हैं। इस मौके डायरेक्टर राकेश यादव, कोच नरेंद्र कुमार, मधु कौशिक, अमन कुमार, धीरज कुमार व पूनम आदि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना हेल्प डेस्क की स्थापना

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति विद्यार्थियों में रुचि जागृत करने तथा अधिक से अधिक स्वयंसेवकों को इस योजना से जोड़ने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में एक विशेष हेल्प डेस्क की स्थापना की गई, जिसका शुभारंभ जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) पूर्ण प्रभा ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सेवाएं विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करती हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी स्वयंसेवकों, संयोजक एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में भी एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करते रहने का आह्वान किया।

नारनौल। पौधे रोपण करते संतोष मेमोरियल का स्टाफ एवं दिव्यांग विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

'एक पेड़ दिव्यांगजन के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

नारनौल। हुडा सेक्टर-एक स्थित मधुर वाटिका में संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं शोध केंद्र ने 'एक पेड़ दिव्यांगजन के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कप्तान हंसराज रहे। कभी वीरान रही मधुर वाटिका को पर्यावरणविद् डॉ. आरएन यादव के मार्गदर्शन में समाजसेवी अमरजीत सिंह व साथी ने हरा-भरा बनाने में जुटे हुए हैं। डॉ. आरएन यादव ने कहा कि एक पौधा केवल ऑक्सीजन ही नहीं, आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ वातावरण भी देता है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की। संस्थान की ओर से सुश्री श्वेता ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही। अंत में स्टाफ सदस्यों में अनीता, मंगला, शुभम, आशु, राजकुमार, गोदावरी, सुरेंद्र आदि ने भी पौधारोपण कर संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया।

जिला पुस्तकालय भवन के विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य का उद्घाटन

पुस्तकालय समाज के लिए एक बड़ी पूंजी: उपायुक्त

- सीएल पब्लिक स्कूल ने जन भागीदारी के तहत करवाया कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य का उद्घाटन करते डीसी डॉ विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने कहा कि पुस्तकालय समाज के लिए एक बड़ी पूंजी होती है। शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में यह बहुत सहायता करता है। डीसी शुक्रवार जिला पुस्तकालय भवन के विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य के उद्घाटन के बाद विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्य सीएल पब्लिक स्कूल की ओर से जन भागीदारी के तहत जिला प्रशासन के सहयोग से करवाया गया है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। उपायुक्त ने कहा कि पुस्तकालय में पढ़ने वाले बच्चे बिना झिझक जिला प्रशासन को अपनी समस्याओं के बारे में जानकारी दें। उन्होंने बताया कि पिछले दौरा कार्यक्रम में बच्चों ने बिजली, पानी तथा शौचालय से संबंधित शिकायतें दी थी जिसे जिला प्रशासन ने सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पूरा करवाया है।

उन्होंने इस कार्य में पूर्व में अतिरिक्त उपायुक्त रहे डॉ आनंद शर्मा की भूमिका को भी सराहा। उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों से जिला में लगभग पांच करोड़ के कार्य हो रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने सीटीएम मंजीत कुमार की भूमिका को भी सराहा। उपायुक्त ने बच्चों को कहा कि जब भी उनको समय मिलेगा वह बच्चों के साथ वन-टू-वन बातचीत करते रहेंगे। उपायुक्त ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों से कहा कि जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है। फोकस के साथ जो भी कार्य करेंगे उसमें सफलता अवश्य मिलेगी।

इस मौके पर मंच संचालन डॉ आरपी सिंह ने किया। इस मौके पर सीएल पब्लिक स्कूल से अमित गुप्ता व अजय गुप्ता, समाजसेवी अशोक चौधरी, नगर परिषद के वाइस चेयरमैन संजीव यादव के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

बच्चों से वन-टू-वन बातचीत के लिए उपलब्ध रहेंगी: एसपी

जिला लाइब्रेरी में युवाओं को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि युवाओं को अपराध और नशे से दूर रखने के लिए जरूरी है कि उनका ध्यान और उनकी ऊर्जा पढ़ाई व खेलों की तरफ केंद्रित किया जाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिले के स्टूडेंट्स कॉम्पिटिशन एग्जाम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए बेझिझक उनसे आकर मिल सकते हैं। वे खुद भी लाइब्रेरी में आकर युवाओं के साथ वन-टू-वन बातचीत करने के लिए उपलब्ध रहेंगी।

अकबरपुर व नांगल पीपा स्कूल में बच्चों को वितरित किया अल्पाहार

नारनौल। बच्चों को गणवेश वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। दिल्ली पुलिस में कार्यरत नांगल पीपा निवासी सुमित स्वामी ने अपना जन्मदिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर में बच्चों के साथ मनाया। विद्यालय प्रभारी दिनेश गांधी ने बताया कि प्रतिवर्ष सुमित स्वामी अपना जन्मदिन विद्यालय में सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर अपनी मां के हाथों बच्चों को गणवेश व अल्पाहार वितरित कराते हुए सुमित ने कहा कि इन बच्चों के बीच जन्मदिन मनाकर गौरवान्वित महसूस कर रहे है। बच्चों की जरूरतों को पूरा करने हर संभव प्रयास किया जाएगा।

राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि ऐसे यज्ञ में सभी को आहुति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। स्कूल के माध्यम से सेवा का यह कार्य समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। सुमित अपने पिता अमर चंद स्वामी व मां संतोष देवी की प्रेरणा से प्रतिवर्ष नांगल पीपा व अकबरपुर स्कूल में गणवेश व अल्पहार वितरित करते हैं। दिनेश गांधी व अभय सिंह ने कहा कि ऐसे दानी सज्जन बच्चों की मदद तो करते ही हैं, साथ ही साथ उन्हें प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर 70 बच्चों को गणवेश वितरित किया। इस मौके पर दिनेश गांधी, अभय सिंह, डॉ. संजय शर्मा, विजयपाल प्रवक्ता, सौरव स्वामी, सम्राट स्वामी, मनीष, महेन्द्र सिंह, आशा शर्मा, अंजू कुमारी, बुलबुल, रामनिवास, ऋषि कुमार, सुभाष, रोहतास, सूबेसिंह, कैलाशी आदि मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

मैं रणबीर सिंह पुत्र श्रीराम गांव बापडोली, तहसील नारनौल, जिला महेंद्रगढ़ ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र सुमित कुमार व पुत्रवधु प्रर्मिला मेरे कहने सुनने से बाहर हैं अतः मैं अपने पुत्र सुमित कुमार व पुत्रवधु प्रर्मिला को अपनी चल अंचल सम्पति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

फोस्टर केयर फैमिली के लिए आवेदन आमंत्रित,नारनौल में जिला बाल संरक्षण इकाई ने शुरू की पहल

अनाथ और बेसहारा बच्चों को मिलेगा नया आशियाना हर महीने मिलेगी चार हजार रुपये की सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिले में फोस्टर केयर (पालक परिवार) की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके तहत असहाय बच्चों को एक सुरक्षित और प्यार भरा अस्थायी घर मिल सकेगा। जो परिवार ऐसे बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठाना चाहते हैं, वे जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

ये हैं आर्थिक सहायता और आवेदन प्रक्रिया

संदीप कुमार ने बताया कि बच्चे के पालन-पोषण के लिए फोस्टर केयर स्कीम के तहत पालक परिवारों को प्रति माह 4000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। बाल कल्याण समिति और जिला बाल संरक्षण इकाई मिलकर पालक परिवारों की सूची तैयार करती है और बाल संस्थान के बच्चों व सामुदायिक क्षेत्र के बच्चों को इन पालक परिवारों में एक निर्धारित समय अवधि तक देखरेख के लिए सौंपा जाता है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि फोस्टर केयर एक महत्वपूर्ण पहल है जिसके तहत बच्चे ऐसे पालक परिवार के साथ अस्थायी रूप से रहते हैं जो उनके जैविक माता-पिता या सगे-संबंधी नहीं होते। ये पालक परिवार बच्चों की उचित देखभाल और पालन-पोषण सुनिश्चित करते हैं। इस योजना के तहत वे बच्चे जिनके माता-पिता उनका पालन-पोषण करने में असमर्थ हैं। बाल देखरेख संस्थानों में रह रहे बच्चे जिन्हें गोद लेने की प्रक्रिया के लिए कानूनी रूप से मुक्त कर दिया गया है, लेकिन केयरिंग पोर्टल पर अपलोड होने के एक वर्ष बाद भी किसी ने उन्हें गोद नहीं लिया है। ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं या कारागार में होने के कारण बच्चे का पालन-पोषण करने में सक्षम नहीं हैं। बाल कल्याण समिति द्वारा घोषित पालक परिवारों को ऐसे बच्चे कम से कम तीन वर्ष की अवधि के

ये हैं पालक दंपति के लिए निर्धारित मापदंड

- दोनों एक ही परिवार के बच्चे को फोस्टर केयर में लेना चाहते हों।
- दोनों की आयु 35 वर्ष से अधिक हो।
- दोनों मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- बच्चे की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने में सक्षम हों।
- दोनों का कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड न हो।
- पालक परिवार बच्चों के किसी भी बाल अधिकार का हनन न करें।

कैसे करें आवेदन

इच्छुक दंपति **icpsnarnaul@gmail.com** पर ईमेल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के बाद, जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा और बाल कल्याण समिति द्वारा पालक परिवार की घोषणा की जाएगी। यह पहल असहाय बच्चों को एक सुरक्षित और पोषणपूर्ण वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिल सकेगी।

सिंचाई की चालू योजनाएं होंगी शीघ्र पूरी

नारनौल। नांगल चौधरी हलके के गांव कोरियावास में सिंचाई के लिए बनाए गए जल भंडार का रास्ता काफ़ी दिनों से विभाग एवं गांव के किसानों के लिए असुविधाजनक बना हुआ है। बरसात के समय कीचड़ के कारण जल भंडार एवं किसानों के खेतों तक पहुंच कठिन हो रही है। पूर्व सिंचाई मंत्री डाक्टर अभय सिंह यादव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस असुविधा को पहले ही ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों के अनुरोध पर जल भंडार के निर्माण के समय ही इस रास्ते को सिंचाई विभाग द्वारा टाइल रोड निर्मित करते हुए जल भंडार तक पक्का करने के निर्णय लिया गया था। कुछ विभागीय कारणों से इसके निर्माण में देरी हो रही थी। अब इस रास्ते का टेंडर किया जा रहा है। और बरसात के बाद इस रास्ते को पक्का कर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

शराब ठेका खोलने पर 13 दिनों भी धरना प्रदर्शन

मंडी अटेली। धनुंदा रोड से शराब का ठेका हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे लोग अब भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। धरना शुक्रवार को 13वें दिन में पहुंचा, जिसमें महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भाग लिया। 13 दिन का समय बीतने के बाद भी शराब का ठेका नहीं हटाया गया। इससे लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ जा रही है। प्रदर्शनकारी अब आंदोलन को तेज करने की तैयारी में हैं। धरने पर बैठे लोगों ने कहा कि प्रशासन ने अगर जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

खोड़मा के मंदिर में चढ़ाई जिले की सबसे ऊंची कांवड़

मंडी अटेली। नारनौल। शिव भक्तों के ठाठ भी निराले हैं। कोई डाक कावड़ लाकर रिकार्ड बनाने में लगा है तो कोई सबसे बड़ी कावड़ लाने में। गांव खोड़मा निवासी सूरज किराड़ इस बार करीब 15 फुट ऊंची कावड़ लेकर आ रहा है, जिसे जिले की सबसे ऊंची कावड़ बताया जा रहा है। यह कावड़ 23 जुलाई को गांव खोड़मा के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर चढ़ाई जाएगी।

नारहेड़ी गांव में फैलाई नशे के खिलाफ जागरूकता

निजामपुर। दुर्गा शक्ति इंचार्ज निरीक्षक मीनाक्षी और उनकी टीम ने निजामपुर के गांव नारहेड़ी में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। निरीक्षक मीनाक्षी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को नशे की लत से बचाने की अपील की, क्योंकि यह उनके भविष्य और पूरे परिवार को तबाह कर सकता है। मीनाक्षी ने बताया कि कैसे नशा अपराधों को बढ़ावा देता है और समाज में अशांति पैदा करता है। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ लड़ाई सहयोग करने का आह्वान किया।

डिवाइडर के बीच खड़ा खरपतवार मॉडल सड़क की बिगाड़ रहा सूरत

तत्कालीन एसडीएम दिनेश कुमार के कार्यकाल में राव तुलाराम चौक से सीएसडी कैंटीन तक बनी थी सड़क

- सड़क निर्माण के अलावा नई इंटर लॉकिंग टाइल, डिवाइडर के बीच फूलदार पौधे लगाने, संगरमर की लगाई गई थी टाइलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के राव तुलाराम चौक से सीएसडी कैंटीन तक करोड़ों रुपये से तैयार की गई मॉडल सड़क पर समस्याओं का अंबार लगा है। ढाई साल में सड़क से रोड़ियां बाहर आने लगी हैं तथा गड्ढे बनने शुरू हो गए हैं। इसके अलावा डिवाइडर से टाइल गिरने लगी हैं तथा डिवाइडर के बीच लगे खरपतवार मॉडल सड़क की सूरत पर ग्रहण लगा रहा है।

बता दें कि अगस्त 2021 में जब नपा का चार्ज प्रशासन के हाथों में था तो तत्कालीन एसडीएम दिनेश कुमार की ओर से शहर के राव तुलाराम चौक से सीएसडी कैंटीन तक एक किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित करने की योजना तैयार कर काम शुरू करवाया गया था। सीएसडी कैंटीन से आईटीआई रोड पर बचे आरसीसी रोड पर मे स्टिक लेयर डालकर उसके मजबूतीकरण किया गया था। वहीं आईटीआई संस्थान के मेन प्रवेश द्वार से लेकर राव तुलाराम चौक तक कारपेट डालकर इस मार्ग को नया लुक दिया गया था। इसके बाद सड़क निर्माण, नई इंटर लॉकिंग टाइल, डिवाइडर के बीच फूलदार पौधे लगाने, संगमरमर की टाइलें लगाई गई थी। हालांकि कुछ दिनों तक शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए यह मॉडल रोड खूब चचार्ओं में रहा था। अब मॉडल सड़क की दुर्दशा को लेकर शहर के लोग अधिकारियों को कोस रहे है।

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड के समीप सड़क निकली रोड़ियां। व डिवाइडर से गिरी टाईलें। डिवाइडर से बीच खड़ा खरपतवार। फोटो : हरिभूमि

जल्द कराई जाएगी सफाईः

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि जल्द ही डिवाइडर पर खड़े खरपतवार की सफाई कराई जाएंगी। इसके अलावा सड़क की मरम्मत कराने के लिए मुख्यालय से मंजूरी के लिए पत्र लिखा हुआ है। मंजूरी मिलते ही सड़क की मरम्मत कराई जाएंगी।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा मॉडल सड़क

इस मार्ग को शहर में प्रवेश होने का मुख्य मार्ग माना जाता है। राहगीर बस स्टैंड व शहर के मुख्य बाजार में जाने के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं, लेकिन अतिक्रमण के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर के राव तुलाराम चौक से लेकर बालाजी चौक दुकानदारों की ओर से भारी अतिक्रमण किया गया है। अतिक्रमण के चलते दिनभर इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं अधिकांश वाहन चालक सड़क के किनारे अपना वाहन खड़ा करके खरीददारी कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सड़क से रोड़ियां निकलनी हुई शुरू

मॉडल सड़क से दो साल में ही रोड़ियां निकलनी शुरू हो गई है। वहीं कई जगह गहरे गड्ढे होने लगे है। टूटी सड़क के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं समीप बस स्टैंड होने के कारण यात्रियों की परेशानी अधिक बढ़ गई है। बस स्टैंड पर आने वाले वाहनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा लाखों रुपये की लागत से लगाई गई डिवाइडर की टाईलें भी काफी जगह गिरनी शुरू गई हैं। वहीं डिवाइडर के टाईल पूरी से पंपलेट से अटी है। जो मॉडल सड़क के सौंदर्यकरण पर ग्रहण लगा रही है। डिवाइडर के बीच लगाए पौधे भी देखरेख के अभाव में सूखने लगे हैं।

जम्मू के दृष्टिबाधित दिव्यांग ने हकेंवि से प्राप्त की पीएचडी की डिग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से दृष्टिबाधित दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर विश्वविद्यालय व जम्मू के मालपुर डिंगा गांव का नाम रोशन किया है। हकेंवि में विशेष श्रेणी (दृष्टिबाधित) के अंतर्गत पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले शोधार्थी हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बहादुर से मुलाकात कर उनकी सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे हर विद्यार्थी के साथ खड़ा है जोकि विभिन्न चुनौतियों के साथ शिक्षा पाने का इच्छुक है। कुलपति ने कहा कि इच्छाशक्ति व परिश्रम ऐसे माध्यम है जिनके आगे किसी भी प्रकार की चुनौती बाधक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि बहादुर की उपलब्धि अवश्य ही अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से पीएचडी डिग्री प्राप्त करने वाले बहादुर लाल ने बताया कि उनके लिए जम्मू के मालपुर डिंगा गांव से निकलकर उच्च शिक्षा का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को जीवन में दृष्टिबाधित होने के चलते प्राप्त करने में अनेक चुनौतियां सामने आईं।

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार से मुलाकात करते दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल। फोटो : हरिभूमि

साइबर ठगी के मामलों में संलिप्त एक और आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

साइबर जालसाजों पर लगातार प्रहार करते हुए साइबर थाना की टीम ने साइबर ठगी के मामलों में संलिप्त एक ओर आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान संजय वासी उनिंदा अटेली के रूप में हुई है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में साइबर थाना की पुलिस टीम द्वारा खाताधारक प्रीत्तम वासी पटीकरा को गिरफ्तार किया था, जिससे पूछताछ में उसने बताया था कि उसने अपना खाता संजय वासी उनिंदा को दिया था। पुलिस ने खाताधारक प्रीत्तम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले के अनुसार नारनौल शहर में एक फर्म के नाम से कैनरा बैंक में खुलवाए गए खाते में साईबर फ्रॉड की काफी धनराशि का लेनदेन हुआ था। जिस पर पुलिस ने मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के अधीन कार्यरत I4C (भारतीय साईबर क्राईम समन्वय केन्द्र) के समन्वय पोर्टल पर बैंक खाता बारे डिटेल सर्च की तो बैंक खाता के खिलाफ विभिन्न राज्यो में करीब 33 करोड़ रुपये की कुल 113 शिकायतें पाई गई। टीम द्वारा बैंक खाता की स्टेटमैंट व केवाईसी व अन्य रिकॉर्ड कैनरा बैंक नारनौल से लिया गया। रिकॉर्ड के अनुसार खाता फर्म गुलशन फोटो स्टूडियो नजदीक रेलवे स्टेशन पटीकरा (नारनौल) प्रोपराइटर प्रीतम वासी पटीकरा के नाम से पाया गया। कैनरा बैंक से पूछताछ पर खाता में खाता में कुल 6,90,83,645 रुपये आनलाईन जमा होने व 6,88,69,976 रुपये आनलाईन ही ट्रांसफर होने पाए गए। पुलिस ने प्रीतम वासी पटीकरा से पूछताछ तो उसने यह खाता साईबर ठगों को देने बारे बतलाया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

नारनौल। पुलिस की गिरफ्त में आरोपित।

नारनौल। कांवड़ियों के मार्ग सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस। फोटो : हरिभूमि

कांवड़ इयूटी पर तैनात पुलिसकर्मी सजगता से करें अपनी इयूटीः एसपी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने बताया कि कावड़ यात्रा के संबंध में जिला पुलिस द्वारा सभी तैयारियां कर ली गई हैं। कावड़ लाने वाले श्रद्धालुओं को सुगम तथा सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। रास्तों और शिविरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग व स्थानीय मार्गों जहां से श्रद्धालुओं का अवागमन होगा, उन मार्गों पर पुलिस गश्त बढ़ाई गई है। कावड़ यात्रा के रास्ते में आने वाले सभी शराब के ठेके/पेट्रोल पम्पों के आसपास के क्षेत्र में भी गश्त बढ़ाई गई है, ताकि यात्रा का ठीक प्रकार से समापन हो सके। क्षेत्र में लगने वाले कावड शिविरों वाले स्थानों पर निगरानी रखने के लिए पुलिस बल नियुक्त किया गया है। सभी थाना प्रबंधकों को आपराधिक किस्म के व्यक्तियों पर निरन्तर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। पैदल महिला कावड़ियों की सुरक्षा के लिए रास्ते में और कावड़ शिविर में भी विशेष इयूटी लगाई गई है। किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति को संभालने के लिए और कावड़ियों को कानून व्यवस्था का पालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए कावड़ियों के वेश में कुछ पुलिसकर्मियों को तैयार रखा गया है।

नारनौल। मीडिया से बातचीत करते सीवरेज सफाई कर्मी।

वेतन नहीं मिला, हड़ताल पर गए सीवरेज सफाई कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में सीवरेज की सफाई करने वाले कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। ऐसे में शहर में सीवरेज व्यवस्था चरमरा गई है। जिसके चलते शहर में जगह-जगह सीवर का पानी सड़कों पर बहने लगा है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें कई माह से सैलरी नहीं मिल रही है।

जनस्वास्थ्य विभाग में सीवरेज में लगे कर्मचारी सैलरी नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर चले गए हैं। कर्मचारियों के हड़ताल के कारण शहर में अनेक जगह सीवरेज व्यवस्था खराब हो गई है। शहर में जैन धर्मशाला के सामने, सीआईए रोड, मोहल्ला कोलियान, स्टेडियम के पास श्याम कालोनी, श्याम मंदिर रोड, बस स्टैंड से सीताराम मैरिज पैलेस की ओर आने वाले रास्ते, पुरानी सराय, मोहल्ला शिवाजी नगर, पुरानी कचहरी के पास सहित शहर के अनेक मोहल्लों में सीवरेज ओवरफ्लो हो रहे हैं।

कार्यक्रम | सिविल एविएशन के अधिकारियों के साथ डीसी की बैठक, पायलट प्रशिक्षण व एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियां जारी

मिर्जापुर-बाछौद एयर स्ट्रिप पर गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी जमीन के लिए अधिकारी जल्द पंचायतों के साथ करेंगे बैठक

- उपायुक्त डॉ विवेक भारती के साथ सिविल एविएशन तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों की मिर्जापुर बाछौद तथा भीलवाड़ा की ग्राम पंचायत के साथ बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मिर्ज़ापुर-बाछौद एयर स्ट्रिप दक्षिणी हरियाणा के विकास में आने वाले समय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार इस स्ट्रिप को और बढ़ाना चाहती है। इसी उद्देश्य को लेकर शुक्रवार उपायुक्त डॉ विवेक भारती के साथ सिविल एविएशन तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों की मिर्जापुर बाछौद तथा भीलवाड़ा की ग्राम पंचायत के साथ बैठक हुई।

इस बैठक में उपायुक्त ने बताया कि यह देश का एकमात्र एयरो स्पोर्ट्स सेंटर है। इसमें फिलहाल और गतिविधियां बढ़ाने के लिए तुरंत प्रभाव से 20 से 22 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। भविष्य में इस पट्टी को 5000 फीट तक बढ़ाने का लक्ष्य है, लेकिन गतिविधियां बढ़ाने के लिए 20 से 22 एकड़ जल्द से जल्द चाहिए। इसके लिए राजस्व विभाग तथा पंचायत विभाग के अधिकारी ग्राम पंचायत के साथ बैठक करके इस कार्य को अंजाम दें।

डीसी ने बताया कि फिलहाल यह मुख्य रूप से पायलट प्रशिक्षण, एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों और गैर-अनुसूचित उड़ानों के लिए उपयोग किया जाता है। सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है और एविएशन क्षेत्र में प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रही है। इससे स्थानीय नागरिकों को बहुत अधिक लाभ होने वाला है।

नारनौल। मिर्ज़ापुर-बाछौद एयर स्ट्रिप पर अधिकारियों के साथ योजना बनाते डीसी डॉ विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

यहां आधुनिक एयरो स्पोर्ट्स सेंटर

उन्होंने बताया कि यहां एक फ्लाइंग स्कूल संचालित है जो युवाओं को पायलट बनने का प्रशिक्षण दे रहा है। कई युवा यहां से प्रशिक्षण लेकर एविएशन क्षेत्र में नौकरी भी प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि यह भारत में एक आधुनिक एयरो स्पोर्ट्स सेंटर है जो पैरा-जंपिंग, पैरासेलिंग, हॉट एयर बैलूनिंग, ग्लाइडिंग, पावर फ्लाइंग, स्काई डाइविंग, एयरो मॉडलिंग और माइक्रो लाइट फ्लाइंग जैसी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है। ऐसे में अधिकारी इस कार्य को जल्द से जल्द सिरे चढ़ाएं। इससे पहले उपायुक्त ने लघु सचिवालय में भी इस संबंध में अधिकारियों की बैठक ली।इस अवसर पर एसडीएम नारनौल रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, पायनियर फ्लाइंग अकेडमी से कोफाउंडर दिग्विजय सिंह, स्काई हाई इंडिया से रिटायर्ड ब्रिगेडियर सौरभ सिंह शेखावत, एफटीसी फ्लाइंग स्कूल से एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजर संजय कुमार, एचएडीसी से सीईओ जेएस बल्हारा, एयरपोर्ट बाछौद के प्रबंधक कृष्ण मलिक, डीआरओ राकेश कुमार तथा डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।